Bhajankilyrics

हनुमत डटे रहो आसन पर जब तक कथा राम की होय

Downloaded on: May 3, 2025

हनुमत डटे रहो आसन पर जब तक कथा राम की होय हनुमत डटे रहो आसन पर, जब तक कथा राम की होय।। माथे इनके मुकुट वरिजे, कानन कुंडल सोहे, एक काँधे पर राम वरिजे, दूजे लक्ष्मण होय, हनुमत डटे रहों आसन पर, जब तक भजन राम का होय।। एक काँधे पर गदा सोहे, दूजे पर्वत होय, लड्डुअन का तेरो भोग लगत है, हाथ पसारे लोग, हनुमत डटे रहों आसन पर, जब तक भजन राम का होय।। तुलसीदास आस रघुवर की, हरि चिरणन चति होय, अंग तुम्हारे चोला सोहे, लाल लंगोटा होय, हनुमत डटे रहों आसन पर, जब तक भजन राम का होय।। हनुमत डटे रहो आसन पर, जब तक कथा राम की होय।।

© 2025 Bhajankilyrics. All rights reserved.